

प्रेषक,

नगरता कुमार,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

राज्य परियोजना निदेशक,  
उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद्,  
देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-१ (बेसिक)

देहरादून

दिनांक

फरवरी, 2005

**विषय:-** जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम-III के अन्तर्गत वर्ष 2004-05 में खोले जाने वाले नवीन प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक एवं शिक्षा मित्रों के पदों के सूजन के संबंध में।

महोदय,

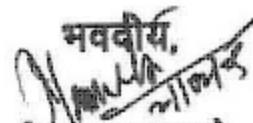
उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक- रा०प०नि०/१२४५/पद सूजन /डीपीईपी/ 2004-05 दिनांक 22-11-2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम- III के संचालन हेतु परियोजना से संबंधित जनपदों में संलग्न विवरण के अनुसार वेतनमान रु० 5500-175- 9000 के प्रधानाध्यापक एवं नियत वेतन रु० 3000 में शिक्षा मित्रों के अस्थायी पदों को इस शासनादेश के जारी होने के दिनांक अथवा पदों को भरे जाने की तिथि से, जो भी बाद में हो, से दिनांक 31-3-2005 तक के लिए इस शर्त के साथ कि अनुवर्ती वर्षों में आय-व्ययक में इन पदों के वेतन भत्तों को वहन करने के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो, सृजित किये जाने भत्तों की सहर्ष स्वीकृति राज्यपाल महोदय प्रदान करते हैं।

2- इन पदों को इससे पूर्व भी बिना किसी सूचना के समाप्त किया जा सकता है। इन पदों के पद धारकों को शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृति महंगाई भत्ता व अन्य भत्ते जो भी नियमानुसार अनुमन्य हों, भी देय होंगे।

3- उक्त पदों को भरे जाने के फलस्वरूप होने वाली परिणामी रिक्तियों को रिक्त रखा जायेगा तथा उतनी ही संख्या में और नये खोले गये प्राथमिक विद्यालयों में प्रति विद्यालय दो अध्यापक के सिद्धान्त के आधार पर एक पद पर शिक्षा मित्र को नियमानुसार रखा जायेगा।

4— प्रधानाध्यापक के सृजित पदों पर पदोन्नति से नियुक्त होने वाले सहायक अध्यापक के वेतन की धनराशि का व्यय वेसिक शिक्षा के आयोजनेत्तर पक्ष से पूर्ववत् वहन किया जाता रहेगा। प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति से वेतन निर्धारण के फलस्वरूप वेतन में देयवृद्धि (इंकीमेन्टल सेलरी) शिक्षा मित्रों (पैरा टीचर) के मानदेय पर होने वाले व्यय का वहन जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम— III से किया जायेगा। यह कार्यक्रम सन् 2005 तक ही संचालित होने के कारण यह पद दिनांक 31—3—2005 तक ही सृजित माने जायेंगे और तत्पश्चात् परियोजना समाप्ति पर यह सभी पद राज्य सरकार के अधीन वेसिक शिक्षा में समायोजित माने जायेंगे तथा इनका व्यय भार भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

5— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—407 / वित्त अनु०—४ / 2005 दिनांक 21—2—2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

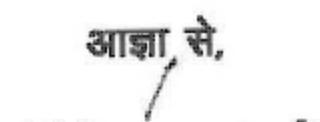
  
 नवदीय,  
 (नंगटा कुमार)  
 अपर सचिव।

### संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2— निदेशक, विद्यालयी शिक्षा उत्तरांचल, देहरादून।
- 3— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तरांचल देहरादून।
- 4— जिलाधिकारी, बागेश्वर / हरिद्वार।
- 5— कोषाधिकारी, बागेश्वर / हरिद्वार।
- 6— वित्त अनुभाग—४ / नियोजन अनुभाग।
- 7— राज्यीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8— गार्ड फाइल।

संलग्नक—यथोपरि।

  
 आज्ञा से,  
 (संजीव कुमार शर्मा)  
 अनु सचिव।

शासनादेश संख्या-११७  
३३८/XXIV(1) / २००५ दिनांक २३ फरवरी, २००५

का संलग्नक

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम— III के अन्तर्गत वर्ष 2004–05 में नये खोले जाने वाले प्राथमिक विद्यालयों के लिए प्रधानाध्यापक के पदों का सूजन एवं शिक्षा मित्रों की संख्या

क्र०स०	जनपद का नाम	नवीन प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	प्रधानाध्यापक के पदों की संख्या (वेतनमान रु० 5500—९०००)	शिक्षा मित्रों के पदों की संख्या (नियत वेतन रु० ३००० प्रति माह)
1.	बागेश्वर	5	5	10
2.	हरिद्वार	20	20	40
	योग	25	25	50

  
 (संजीव कुमार शर्मा)  
 अनुसचिव।